MSW-001
MSW-002
MSW-005
MSW-003
MSW-004
MSW-006
MSWE-010
MSW-032

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2019–2020

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू.–003	:	आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
एम.एस.डब्ल्यू.–004	:	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
एम.एस.डब्ल्यू.–006	:	समाज कार्य अनुसंधान
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010	:	अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू–032	:	समाज कार्य और आपराधिक न्याय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई, 2019 सत्र – मार्च 31, 2020

जनवरी, 2020 सत्र – सितम्बर 30, 2020

नोट : कृपया इन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेष्क से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य को परिभाषित करें। एक पेशे के रूप में समाज कार्य पर एक नोट लिखें। 20

अथवा

उत्तर आधुनिक समाज में समाज कार्य के दायरे और प्रासंगिकता के बारे में चर्चा करें। 20

2) समाज सेवा, समाज सुरक्षा और समाज कल्याण के बीच क्या संबंध है? 20

अथवा

सामान्यवादी दृष्टिकोण की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। भारत में सामान्यवादी अभ्यास की प्रासंगिकता पर एक नोट लिखें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) सऊदी अरब में समाज कार्य अभ्यास के विकास का पता लगाएं। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता से आप क्या समझते हैं? चर्चा करें। 10

ग) क्या समकालीन समाज में समुदाय कार्य अभी भी प्रासंगिक है? अपने उत्तर के कारण बताइए। 10

घ) अभ्यास के लिए समाज कार्य अनुसंधान के योगदान पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) चर्च के अंतर्गत 6 विशिष्ट भूमिकाओं पर प्रकाश डालें जिन्हें समाज कल्याण से संबंधित के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है? 5

ख) क्या समाज कार्य ज्ञान के स्वदेशीकरण के कोई निहितार्थ हैं? टिप्पणी करें। 5

ग) भारत में समूह कार्य के ऐतिहासिक विकास का संक्षिप्त विवरण दें। 5

घ) विभिन्न लेखकों द्वारा सामाजिक क्रिया की किसी भी तीन परिभाषा को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) NASW की आचार संहिता का क्या उद्देश्य है? 5

च) दक्षिण अफ्रीका में समाज कार्य शिक्षा पर एक लघु नोट लिखें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) नैतिक मानक 4

ख) NAPSWI 4

ग) निगमनात्मक (Deductive) अनुसंधान

घ) चिकित्सा परिवेश में वैयक्तिक कार्य 4

ङ) परोपकार 4

च) समाज कार्य प्रशासन के सिद्धांत 4

छ) कुलकर्णी द्वारा उल्लेखित सामाजिक नीति (1978) 4

ज) दूरस्थ शिक्षा माध्यम से समाज कार्य शिक्षा 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत की स्वतंत्रता के बाद समाज को किसी भी दो समाज सुधारकों की भूमिका और योगदान का वर्णन करें। 20

अथवा

बौद्ध धर्म को परिभाषित करें। बौद्ध विचारधारा समाज कार्य से कैसे संबंधित है? 20

2) गांधीवादी समाज कार्य की विशेषताओं पर चर्चा करें। 20

अथवा

प्रासंगिक उदाहरणों के साथ विभिन्न परिवेशों पर एक नोट लिखें जहां समाज कार्य का अभ्यास किया जा सकता है। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) मानवीय कार्यों में शामिल किसी भी दो प्रमुख गैर सरकारी संगठनों की एक प्रोफाइल दें। 10

ख) सिख धर्म में निहित समाज कार्य आदर्शों की सूची बनाएं। किन्हीं तीन की व्याख्या करें। 10

ग) गांधी ने अपना 19 सूत्रीय रचनात्मक कार्यक्रम क्यों प्रस्तुत किया? किन्हीं तीन कार्यक्रमों के बारे में लिखें। 10

घ) नीति निर्माण और विकास में सामाजिक कार्यकर्ता की चार प्रमुख भूमिका का उल्लेख करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) राम कृष्ण मिशन ने किन तरीकों से समाज के लिए योगदान दिया? 5

ख) इस्लाम में निहित समाज कार्य मूल्यों पर प्रकाश डालिए। 5

ग) गांधीवादी समाज कार्य पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 5

घ) स्वैच्छिक परिवेश में गांधीवादी समाज कार्य कितना प्रासंगिक है, कारण दें। 5

ङ) समाज कार्य साहित्य में अंतराल के कारणों की व्याख्या करें। 5

च) मनु स्मृति द्वारा निर्धारित पुण्य कर्तव्यों की दस गुना प्रणाली को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) राष्ट्रीय सेवा योजना 4

ख) दस नियम (Commandment) 4

ग) भूदान और ग्रामदान 4

घ) सामाजिक कार्यकर्ता की छवि 4

ङ) केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड 4

च) सत्याग्रह 4

छ) हिंदु धर्म और महिलाएं 4

ज) वकालत 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) चर्चा करें कि एक विकासशील देश में क्षेत्र शिक्षा समाज कार्य सामाजिक विकास को कैसे बढ़ावा देते हैं? 20

अथवा

समाज कार्य में पर्यवेक्षण को परिभाषित करें। पर्यवेक्षी संबंध में पर्यवेक्षण की शैलियों पर चर्चा करें। 20

2) समुदाओं पर आधारित क्षेत्र कार्य अभ्यास की अपने क्षेत्र कार्य अनुभव के उदाहरणों के साथ व्याख्या करें। 20

अथवा

कौशल और ज्ञान के कुछ विशिष्ट क्षेत्रों पर चर्चा करें जो सूक्ष्म अभ्यास अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) एजेंजी अभ्यास के लिए मुख्य दिशा निर्देशों पर चर्चा करें। 10

ख) छात्रों ने ग्राहकों के साथ काम करते हुए कौशल सीखने के तरीकों को विस्तार से बताएं। 10

ग) स्वास्थ्य परिवेश में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की व्याख्या करें। 10

घ) समाज कार्य में क्षेत्र कार्य पैक्टिकम के विभिन्न मॉडल की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य अभ्यास के लिए अभिविन्यास के महत्व पर चर्चा करें। 5

ख) क्षेत्र प्रैक्टिकम के सीखने के घटकों की व्याख्या करें। 5

ग) बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए सेवाओं की सूची तैयार करें। 5

घ) इग्नू मॉडल में क्षेत्र पैक्टिकम के घटक क्या हैं? 5

ङ) पेशेवर सामाजिक कार्यकताओं के कामकाज से जुड़े सामान्य तनाव कारकों का उल्लेख करें। 5

च) प्रभावी रिपोर्ट लेखन के लिए कुछ बिंदुओं पर प्रकाश डालें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) क्षेत्र कार्य प्रशिक्षण के लिए वैश्विक मानक 4

ख) एक पर्यवेक्षक की योग्यता 4

ग) रोजगार आधारित पैक्टिकम 4

घ) प्रक्रिया रिकार्डिंग 4

ङ) दाता एजेंसियों में क्षेत्र कार्य 4

च) बर्नआउट 4

छ) मनोसामाजिक निदान 4

ज) युवा की विशेषताएं 4

आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) जाति व्यवस्था क्या है? भारत में जाति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करें।

अथवा

प्रेरणा को परिभाषित करें। समाज कार्य अभ्यास में प्रेरणा की प्रासंगिकता को लिखिए। 20

2) समाज कार्य पेशेवेरों की भूमिका का निम्न के संदर्भ में उल्लेख करें :
i) परिवार
ii) विवाह 20

अथवा

'किशोर मनोवैज्ञानिक समस्याओं से पीड़ित हैं क्या आप सहमत हैं? कारण दें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग 300 शब्दों में) दीजिएः

क) समाजीकरण की मुख्य एजेंसियां क्या हैं? 10

ख) एक अकादमिक अनुशासन के रूप में समाज कार्य के विकास का पता लगाएं। 10

ग) उन भेदभावों पर प्रकाश डालें जो लैंगिक भेदभाव से उत्पन्न हो सकते हैं। 10

घ) घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार की बहुआयामी विशेषताओं में अंतर्दृष्टि देने वाले तीन सिद्धांतों के बारे में लिखें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) दीजिएः

क) भारत एक देश के रूप में एक से अधिक तरीकों से अद्वितीय है। टिप्पणी करें। 5

ख) हम तनाव से कैसे निपट सकते हैं? व्याख्या करें। 5

ग) परिवार जीवन चक्र के युग्मन चरण में समाज कार्य हस्तक्षेप के पांच मुख्य क्षेत्र कौन से हैं? 5

घ) परिवार को परिभाषित करें। एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा परिवार हस्तक्षेप के प्रमुख क्षेत्रों की सूची बनाएं। 5

ङ) एरिकसन द्वारा तैयार किए गए मनोवैज्ञानिक विकास के किसी भी दो चरण के बारे में लिखें। 5

च) बाल मनोविज्ञान से आप क्या समझते हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिएः

क) रिअल समूह और वर्चुअल समूह 4
ख) सामाजिक पहचान सिद्धांत 4
ग) यौवन 4
घ) पारिवारिक उपचार 4
ङ) कट्टरपंथी समाज कार्य 4
च) प्रतिगमन 4
छ) वृद्धावस्था 4
ज) एकल परिवार 4

समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–004
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रवास क्या है? प्रवास के विभिन्न कारणों और परिणामों पर चर्चा करें। 20

अथवा

भारत के संविधान के तहत गारन्टीकृत मौलिक अधिकारों पर चर्चा करें। 20

2) हिंदू कानून के तहत महिलाओं के अधिकारों को विस्तार से बताएं। 20

अथवा

भारतीय संदर्भ से प्रासंगिक उदाहरणों के साथ महिलाओं और विकास दृष्टिकोण पर रूपरेखा प्रस्तुत करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) ग्रामीण समाज की विशेषताओं पर चर्चा करें। 10

ख) विकास के किसी भी दो मॉडल की व्याख्या करें। 10

ग) वैश्वीकरण और असमानता के बीच की कड़ी की गंभीरतापूर्वक जांच करें। 10

घ) अल्प विकास के सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) उदारीकरण के प्रभाव का वर्णन करें। 5

ख) प्रगति और विकास के बीच अंतर करें। 5

ग) भारत में आपराधिक और सिविल अदालतों की सरंचना पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

घ) महिलाओं की सुरक्षा और उनकी रूचि के लिए कुछ कानूनी प्रावधानों की गणना करें।

ङ) सतत विकास की राजनीति की जांच करें। 5

ङ) दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) ग्रामीण–शहरी द्विविभाजन (dichotomy) 4

ख) सामाजिक विकलांगता एकक 4

ग) प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत 4

घ) GDI और GEM 4

ङ) बार काउंसिल के महत्वपूर्ण कार्य 4

ङ) न्यायिक सक्रियता 4

च) बाल तस्करी 4

छ) भारतीय संविधान के तहत बाल अधिकार 4

समाज कार्य अनुसंधान
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–006
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) शोध प्रस्ताव तैयार करने में विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 20

अथवा

समाज कार्य अनुसंधान में माप की अवधारणा पर चर्चा करें। 20

2) नमूना क्या है,? नमूने के विभिन्न तरीकों का वर्णन करें। 20

अथवा

मात्रात्मक डेटा के विश्लेषण के चरणों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज कार्य अनुसंधान में हाल के रूझानों पर संक्षेप में चर्चा करें। 10

ख) केस अध्ययन विधि की वैज्ञानिक प्रकृति के बारे में लिखें। 10

ग) समाज कार्य अनुसंधान में डेटा एकत्र के विभिन्न तरीकों की व्याख्या करें। 10

घ) विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों पर विस्तार से चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) दृष्टिकोण पैमाने के प्रकारों और उपयोगों का उल्लेख करें। 5

ख) भागीदारी अनुसंधान विधि को समझाएं। 5

ग) कारणात्मक तुलनात्मक अध्ययन की कमजोरियों की सूची बनाएं। 5

घ) त्रि–विचरण विश्लेषण क्या है? 5

ङ) परिकल्पना परीक्षण में चरणों को सूचीबद्ध करें। 5

च) एक अच्छी प्रश्नावली की विशेषताओं को लिखें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) स्नोबाल नमूना 4

ख) अनुसंधान में गैर सरकारी संगठन की भूमिका 4

ग) प्रतिनिधि नमूना 4

घ) विश्वसनीयता और वैधता 4

ङ) ची–वर्ग परीक्षण 4

च) साक्षात्कार की सीमाएं 4

छ) संदर्भ की शैली 4

ज) डेटा की कोडिंग 4

अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अफ्रीका में नौकरशाही, राजनीतिक और विधायी प्रक्रियाओं पर चर्चा करें जो समाज कल्याण कार्यक्रम के विकास और समाज कल्याण सेवाओं के वितरण को प्रभावित करते हैं। 20

अथवा

अफ्रीका में समाज कार्य शिक्षा के विकास में योगदान देने में विभिन्न सामाजिक आंदोलनों के प्रभाव की व्याख्या करें। 20

2) पेशेवर समाज कार्य संघ और प्रत्यायन (accridation) निकायों के महत्व को विस्तारपूर्वक बताएं। 20

अथवा

इथियोपिया में शिक्षा की प्रकृति और विकास का विश्व स्तर पर अवलोकन प्रदान करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य पेशे के मूलभूत मूल्यों को पहचानें। 10

ख) इथियोपिया के संदर्भ में NASW की आचार संहिता की प्रयोज्यता पर चर्चा करें। 10

ग) इथियोपिया में स्वास्थ्य वितरण सेवाओं की व्याख्या कीजिए। 10

घ) इथियोपिया में सामाजिक सुरक्षा नीतियों का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) इथियोपिया में समाज कल्याण कार्यक्रमों की आवश्यकता को सूचीबद्ध करें। 5

ख) इथियोपिया में समाज कल्याण कार्यक्रमों की वर्तमान प्रवृति पर प्रकाश डालें। 5

ग) गैर सरकारी संगठनों द्वारा सामना की गई कुछ चुनौतियों की सूची बनाएं। 5

घ) इथियोपिया में अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रदान की गई कल्याणकारी सेवाओं की संक्षिप्त चर्चा करें। 5

ङ) मार्गदर्शन और परामर्श के लिए संस्कृति के निहितार्थों को सूचीबद्ध करें। 5

च) क्या आपको लगता है कि इथियोपिया में मानक समस्याओं के संभावित कारण हैं। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) समुदाय नीति 4

ख) मानव तस्करी 4

ग) कल्याण सेवाओं के प्रावधान में एफ बी ओ की भूमिका 4

घ) पारंपरिक समाज कल्याण संगठन 4

ङ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के उद्देश्य 4

च) इथियोपिया में सामाजिक समूह कार्य 4

छ) समुदाय कार्य के दृष्टिकोण 4

ज) इथियोपिया में समाज कार्य अनुसंधान के अभ्यास 4

समाज कार्य और आपराधिक न्याय

सत्रीय कार्य

एम.एस.डब्ल्यू.–032
अधिकतम अंक : 100

नोट : i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।
ii) उत्तर लगभग **300 शब्दों** में दीजिए।
iii) **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।

1. आपराधिक न्याय प्रशासन क्या है? इसके विभिन्न घटकों की व्याख्या कीजिए। 20

2. अभियुक्तों के संवैधानिक अधिकारों को सूचीबद्ध करें। 20

3. लेबलिंग सिद्धांत क्या है? विस्तारपूर्वक बताए। 20

4. भारत में किशोर न्याय प्रणाली की व्याख्या कीजिए। 20

5. स्वतंत्रता के बाद भारत में जेल सुधार के विकास पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 20

6. बाल संरक्षण कानून की उत्पत्ति का पता लगाएं। 20

7. न्याय की अवधारणा का वर्णन करें। 20

8. भारत में पीड़ित मुआवजा योजना की व्याख्या करें। 20